

CBSE UGC NET

NOV 2017

PAPER II HINDI

ANSWER KEY

Contains answers of 50 questions

This is the answer key of CBSE UGC NET exam held on November 5, 2017 for Paper 2, Hindi. Candidates who have appeared in the UGC NET Hindi exam can check Paper 2 Hindi answer key here to know answers of all 50 questions.

Aglasem.com

**Date of exam – 05
Nov 2017**

**Conducted by
Central Board of
Secondary
Education**

**THIS IS UNOFFICIAL
ANSWER KEY OF CBSE
UGC NET NOV 2017
PAPER 2 HINDI**

Released after exam
concluded on 05 Nov 2017

Space For Rough Work

- 1 शौरसेनी अपभ्रंश - गुजराती
- 2 शिवसिंह सरोज - 1883
- 3 कथा की परीक्षा इतिहास की दृष्टि से नहीं - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 4 अरसागर में जगह-जगह टुष्टिकृत चर - रामचंद्र शुक्ल
- 5 'यम रघु चालकी गयेंद गृह ग्राम चारु - पद्मनाकर
- 6 सावन भावन हेरि अर्जुन, मनभावन आवन चोप - विवेकी - रोमोच
- 7 प्रिय की श्रुति से ये परिहार - रामवेश त्रिपाठी
- 8 नाटक जारी हैं - लौलाधर झाड़ी
- 9 आग और राग का कवि - दिनकर / धूमिल
- 10 विश्वनाथ प्रसाद - मैला माचल में तडकीबिहार
- 11 बाल, वध, मोक्ष, किशोर मन का चित्रण - शेखर, स्व, नौन
- 12 अ कद्यपी - गंगा प्रसाद विमल
- 13 प्रेम्चय का नाटक - कर्कला
- 14 हजारी प्रसाद का नहीं - पुबंध्य प्रसाद
- 15 पुराहिवाद - ~~शिवराम सिंह चोदान~~
- 16 अतिममिदं व्यापियते शक्तिर्बुध्निरिभ्यासः - रामरह
- 17 वक्रोक्ति का अर्थ नहीं - उक्ति विन्यास
- 18 कवीर - नाटक - वाटू - मुंदरदास
- 19 अतिरजभूषण - ललित - पद्मनाभ
- 20 पाठक - गुप्त - रामनरेत्र सिवाली - मिराला
- 21 वचन अक्षय मुक्तिबोध - रघुबीर शर्मा
- 22 अपनी खबर, नीड का निगमिच्छि, झूठ शिखरे का दर्द
- 23 शालाघी चरिते काफ़ेउ का कोर अभन
- 24 गंधकारन, कामधेनु मरुत आगम की नाव
- 25 मखन विजायक, जगद्वज्र का नागायक, धुवाझामिनी
- 26 भट्टलोल्लक, उंकुक, मट्टनधर, अग्निवगुप्त
- 27 रघुमीमांसा, आलोचना के दान, नयी कविता, नयी कविता & अद्विज
- 28 विमलदेव - रघुसिंहि नरपतिनाथ - वीरलके आलिसद - अक्षेष्वा गुरुविराज
- 29 श्री - रणाभुजाकार, अक्षय - मधुवाधर रघु - विष्णुलाल अनकादि - निगर्ध
- 30 चंद्रचरित - गोविंद सिंह देवापते - कुलपरिमि, सुजान चरित - सुदन छिमतवधु विदवाकी पद्मनाकर
- 31 प्रेमसाहिका - रघुवान कबीलाकर सेनापति रघुवन - पुरखर त्रिलशक्त - मुबारक
- 32 वनबेला - मिराला, अरा - पंत परिक्रमा - मद्यदेवी मिताथार - प्रसाद
- 33 इसपर प्रिये तुम हो प्रद्युम्ने - वचन, यह मंदिर का शीप - मद्यदेवी कर्मा
- 34 अयोधपुरी - सुशशच, चंद्रगद्यव - नदी के द्वीप फूलकम - कलननमा निर्गुनिया - जालमो कधुन गोपाल
- 35 डा० जगपाल - शूठ आनंदी - छोटे घर की बेटी शंकर - महासेर गेंडू दीनदयाल - जुलूस
- 36 चंद्रावली - नाटिका विषय विमोपधम - आण एक घूंट - शंकावी करणावध - जीहिनाथ
- 37 अग्निवगुप्त - द्यमालोक लोचन ~~संज्ञा~~ सरस्वतीकांठाअण मधिभट्ट - व्याक्तिविके, राजशेखर - काव्यमीमांसा
- 38 फल के बारे में अधिक आश्चर्य से कर्म करने में रुचि घटती है।
- 39 श्रीकृष्ण ने कहा था कि शक्ति कर्म करते जाओ और फल की चिंता न करो
- 40 कर्म अष्टम दोस्त हैं इसलिए उसके प्रति रुचि आना निमित्त है।
- 41 इसमें 4 वाक्यना मिली हुई हैं।
- 42 फल के प्रति आश्चर्य लोभ

